Ltd. The amounts of increase permitted are as under:—

Zetor 2511	Rs. 2,300
International B275|276	Rs. 375
International 434	Rs. 1,635

(c) The earlier price for the Zetor 2511 tractor was fixed provisionally when HMT commenced production and no details were available about the cost of manufacture. After HMT had assembled tractors for a few months, some details of the cost of manufacture became available, on the basis of which they asked for an increase of about Rs. 3000 in the selling price. Pending a detailed cost examination Government allowed a provisional increase of Rs. 2300.

In the case of the tractors manufactured by the ITCI, the increases have been permitted to cover the additional cost on account of customs duty at increased rates on some components (crankcases) and tyres and tubes which had to be imported to supplement indigenous supplies which were inadequate to meet the full requirements of the firm to maintain their high production level.

पूर्ति विभाग के अस्थायी कर्मचारी

1773. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **पूर्ति और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय पूर्ति विभाग में कितने अस्थायी कर्मचारी है जिन्होंने 5 वर्ष से अधिक की सेवा पूरी कर ली है ?

पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) : जानकारी एकत्रित की जा रही है और उसे सभा पटल पर रख दिया जायेगा ।

इस्पात और खान मंत्रालय के कर्मचारियों को अदा किया समयोपरि भत्ता

1774. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 1970-71 और 1971-72 में उनके मन्त्रालय में काम कर रहे कर्मचारियों को अदा किये गये समयोपरि भत्ते की तुलना में वित्तीय वर्ष 1972-73 में उन्हें अदा किये गये समयोपरि भत्ते की राशि में काफी वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि नहीं; तो उक्त वित्तीय वर्षों के दौरान समयोपरि भत्ते पर हुए खर्च की राशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या वित्तीय संकट को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 1973-74 में अनुमानित व्यय की राशि में कुछ कमी करने का सरकार का विचार है और यदि हां, तो किस प्रकार ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : (क) और (ख). वर्ष 1970-71 तथा 1971-72 की तुलना में वर्ष 1972-73 में इस्पात विभाग तथा खान विभाग के कर्मचारियों को दिए गए समयोपरि